वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 19.11.2025 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर",अमर उजाला, दैनिक जागरण, काशीवार्ता,"समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला–दि0 19.11.2025

काशी की गलियों में गूंजेगा वैदिक मंत्रोच्चार और पंचाक्षरी मंत्र

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। काशी की गलियों में सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक वैदिक मंत्रोच्चार और पंचाक्षरी मंत्र की धुन गूंजेगी। यह व्यवस्था आकाशवाणी के माध्यम से की जाएगी। इसके जरिये पर्यटकों को धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व की जानकारियां दी जाएंगी।

योजना के तहत काल भैरव मंदिर चौराहे से मैदागिन चौराहे, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर होते हुए गोदौलिया चौराहे से दशाश्वमेध घाट तक ऑडियो सिस्टम लगाए जा रहे हैं। काल भैरव मंदिर के मार्ग पर ओम और ओम नमः शिवाय की ध्वनि गूंजती रहेगी। इससे काशी की प्राचीन

03 बार ओम और एक बार ओम नमः शिवाय की धुन बजेगी

कालभैरव मंदिर जाने वाले मार्ग पर ऑडियो सिस्टम लगा

परंपराओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत बनाए रखने में मदद मिलेगी। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि साउंड सिस्टम लगवाए जा रहे हैं।

वीडीए के अपर सचिव डॉ. गुडाकेश शर्मा ने बताया कि काल भैरव चौराहे से मंदिर जाने वाले मार्ग तक ऑडियो सिस्टम लगवाए जा चुके हैं। इसमें 3 बार ओम और एक बार ओम नमः शिवाय की धुन बजेगी।

इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को काशी के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों की जानकारी देना जिससे उन्हें शहर की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझने में सहायता मिले सके।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर होते हुए गोदौलिया चौराहे से दशाश्वमेध घाट तक ऑडियो सिस्टम लगाए जा रहे

दैनिक जागरण–दि0 19.11.2025

मंदिर मार्ग पर गूंजेगा 'ऊं नम : शिवाय'

- आकाशवाणी के जरिये वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान होंगी मंदिर की गलियां
- कालभैरव मंदिर से दशाश्वमेध घाट तक धर्म, आध्यात्म और संस्कृति से होंगे अवगत

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी में आने वाले पर्यटक आकाशवाणी के माध्यम से यहां के धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व की जानकारियां सुन सकेंगे। इस योजना के तहत, काल भैरव मंदिर चौराहे से मैदागिन चौराहा और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से गोदौलिया चौराहा होते हुए दशाश्वमेध घाट तक एक विशेष आडियो सिस्टम स्थापित किया जाएगा। इस प्रणाली के माध्यम से अनवरत मंत्रोच्चारण, धार्मिक ध्वनियां व काशी से संबंधित जानकारियां प्रसारित की जाएंगी। वीडीए के अपर सचिव डा. गुडाकेश शर्मा ने बताया कि काल भैरव चौराहे से मंदिर जाने के मार्ग तक आडियो सिस्टम लग चुका है, इसमें तीन बार ऊं की ध्वनि और 1 बार ऊं नमः शिवाय बजता है।

यह परियोजना न केवल श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव कराएगी बल्कि काशी की प्राचीन परंपराओं को भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत बनाए रखने का कार्य करेगी। काशी में उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे श्रीकाशी विश्वनाथ विराजमान हैं। शिव की त्रिशूल पर बसी काशी का कण-कण पौराणिक कथा से जुड़ा है। अब काशी की प्रमुख कथा व जानकारियां आडियो सिस्टम से प्रसारित की जाएंगी। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित एक्शन प्लान फार काशी एंड सारनाथ के अंतर्गत वाराणसी शहर के 18 चिह्नित स्थानों के सौंदर्यीकरण एवं सार्वजनिक अनुभव को बेहतर करने के लिए कई कार्य प्रस्तावित हैं। ये प्रसारण सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे होगा।

काशीवार्ता—दि0 19.11.2025

अब काशी के अमृत-पथ पर गूंजेगा दिव्यता का निनाद

आकाशवाणी बताएगी धर्म-इतिहास, अध्यात्म व सनातन विरासत

योगी सरकार ने रचा श्रुति व संस्कृति का अद्भुत संगम

वाराणसी (काशीवार्ता)। काशी की प्राचीन आत्मा मानो एक बार फिर स्वर बनकर जाग उठी है। योगी सरकार की नवीन पहल के तहत अब काशी के प्रमुख मंदिर मार्गों पर ॐ और ॐ नमः शिवाय की पवित्र ध्वनियां मंद्र-सुगंधित वायु की तरह अविरल बहेगी। काल भैरव मंदिर चौराहा से मैदागिन तक और काशी विश्वनाथ मंदिर से गोदौलिया होते दशाश्वमेध घाट तक पूरा मार्ग आकाशवाणी के दिव्य नाद से एक अलौकिक आध्यात्मिक पट्टिका में बदलने जा रहा है। यह ध्वनि-विधान केवल ध्वनि नहीं, मानो काशी की सांसों में घुली अनादि ऋचाओं का पुनरुत्थान हो। नगर में स्थापित किए जा रहे विशेष ऑडियो सिस्टम के माध्यम से हर यात्री, हर श्रद्धालु काशी के धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और पौराणिक इतिहास की जीवंत कथा को श्रवण करेंगे।

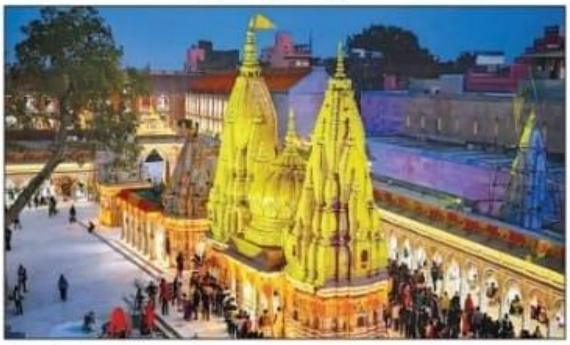

काल भैरव मार्ग पर जहाँ ॐ और ॐ नमः शिवाय की ध्वनि पहले ही वातावरण को तपोमय बना रही है, वहीं नवीन व्यवस्था पूरे मंदिर-परिक्षेत्र को वैदिक सुगंध से आप्लावित करेगी। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि एक्शन प्लान फॉर काशी एंड सारनाथ के अंतर्गत शहर के 18 चिन्हित स्थानों का सौंदर्यीकरण एवं आध्यात्मिक अनुभव को समृद्ध करने हेतु अनेक कार्य प्रस्तावित हैं। उन्हीं में से एक यह मंत्र-श्रव्य व्यवस्था है, जो काशी की गलियों को दिव्यता के उजास से भर देगी। वीडीए के अपर सचिव डॉ. गुडाकेश शर्मा ने अवगत कराया कि काल भैरव चौराहे से मंदिर द्वार तक ऑडियो सिस्टम स्थापित हो चुका है, जिसमें तीन बार ॐ और एक बार ॐ नमः शिवाय की ध्वनि क्रमशः प्रवाहित होती है। सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक मंत्रोच्चारण, धार्मिक ध्वनियाँ और काशी की कथा-गाथाएँ निरंतर प्रसारित की जाएंगी, जिससे यात्रियों को शहर की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपरा सहजता से ज्ञात हो सके।

काशी– जहां शिव ने स्वयं काल पर विजय पाई– अब इन पवित्र ध्वनियों से और भी ज्योतिर्मय, और भी चेतना-सिक्त होगी। गलियों में गूंजता हर ॐ मानो समय की परतों को छूता हुआ अनंत तक फैल जाएगा; और ॐ नमः शिवाय का हर उच्चारण भक्तों की आत्मा में किसी दीपशिखा की तरह स्थिर हो उठेगा। यह योजना केवल तकनीक नहीं, बल्कि काशी की अस्मिता को स्वर देता हुआ वह सांस्कृतिक स्पंदन है जो शहर के कण-कण में आज भी दिव्यता की धड़कन बनकर ध्वनित है।